

## शिक्षा का अर्थ

प्रकृतिवादी दर्शन के अनुसार शिक्षा का साधन है जो मनुष्य को उसकी प्रकृति के अनुरूप विकास करने, जीवन व्यतीत करने योग्य बनाती है। प्रकृतिवादी शिक्षा को स्वाभाविक विकास की प्रक्रिया मानते हैं।

**प्रकृतिवादी शिक्षा दार्शनिक** – बेकन, कमेनिस, स्पेन्सर, रूसो आदि हैं।

**रूसो के अनुसार** "सच्ची शिक्षा वह है, जो व्यक्ति के अंदर से प्रस्फुटित होती है। यह इसकी अंतर्निहित शक्तियों की अभिव्यक्ति है।

## प्रकृतिवाद तथा पाठ्यक्रम

प्रकृतिवाद विद्यार्थी को पाठ्यक्रम का आधार मानते है। उनका कहना है कि पाठ्यक्रम की रूपरेखा विद्यार्थी की 1. रुचियो 2. योग्यताओं/ क्षमताओं 3. मूल प्रवृत्तियों 4. स्वाभाविक क्रियाओं 5. व्यक्तिक भिन्नताओ को ध्यान में रखकर तैयार होनी चाहिए।

# प्रकृतिवाद शिक्षा

- प्रकृतिवाद (NATURALISM) :- NATURAL + ISM
- NATURAL का अर्थ प्रकृति से संबंधित और ISM का अर्थ सिद्धांत, प्रणाली, वाद है।
- इस प्रकार प्रकृति से संबंधित सिद्धांतों का अध्ययन ही प्रकृतिवाद है ।
- प्रकृतिवाद शिक्षा के क्षेत्र में प्रकृति शब्द का प्रयोग दो अर्थों में करते हैं (1) भौतिक प्रकृति और (2) बालक की प्रकृति
- भौतिक प्रकृति - बाहरी प्रकृति
- बालक की प्रकृति - मूल प्रवृत्तियां, आवेग, क्षमताएं

## प्रकृतिवादी दार्शनिक विचारधारा

जेम्स वार्ड के अनुसार- प्रकृतिवाद वह सिद्धांत है जो प्रकृति को ईश्वर से पृथक करता है। आत्मा को पदार्थ के अधीन करता है और अपरिवर्तनीय नियमों को सर्वोच्चता प्रदान करता है।

## प्रकृतिवाद व शिक्षा के उद्देश्य :-

स्पेंसर के अनुसार जीवन का उद्देश्य इस जगत में सुखपूर्वक रहना है जिसे उसने **समग्र जीवन** कहा है। समग्र जीवन का विश्लेषण वह जीवन की 5 प्रमुख क्रियाओं के माध्यम से करता है जो स्पेंसर के अनुसार निम्नलिखित हैं

1. आत्मरक्षा
2. जीवन की मौलिक आवश्यकतओं की पूर्ति
3. संततिपालन
4. सामाजिक एवं राजनैतिक संबंधों का निर्वाहन
5. अवकाश के समय का सदुपयोग।

## प्रकृतिवाद में शिक्षण विधि :-

- ▶ स्व अधिगम विधि
- ▶ करके सीखना/ क्रिया विधि
- ▶ खेल विधि
- ▶ भ्रमण विधि



## शिक्षक

प्रकृतिवाद के अनुसार शिक्षक निरीक्षणकर्ता, पथप्रदर्शक, बाल प्रकृतिज्ञाता, भ्रमणकर्ता, मितवाकी तथा प्रायोगिक ज्ञान से भिन्न होता है। वह छात्रों पर किसी बात, किसी तत्व को जबरन नहीं थोपता बल्कि वह अपने छात्रों को स्वतः विकास करने हेतु प्रेरित करता है। प्रकृतिवाद विचारक प्रकृति को ही वास्तविक शिक्षक मानते हैं।

## शिक्षार्थी

प्रकृतिवाद के अंतर्गत पूरी शिक्षा प्रक्रिया का केंद्र बिंदु बालक/ विद्यार्थी होता है। शिक्षा शिक्षार्थी को प्रकृति के अनुकूल ढालने का साधन होती है। प्रकृतिवादी विचारक विद्यार्थी को ईश्वर की श्रेष्ठ व पवित्र कृति मानते हैं किंतु सामाजिक कृत मत्ता में फंसकर बालक का स्वाभाविक विकास रूक जाता है।

# THANK YOU

By Mr. Prakash Kumar  
Asst. Prof.

B.B.M.B.Ed.College, Sardaha, Chas, Bokaro

Date:- 05/07/2022